नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को विश्व स्तरीय नागरिक विमानन सुविधा के रूप में विकसित करने की अपनी योजना की घोषणा** की।

- उल्लेखनीय है कि जेवर स्थित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को देश के पहले ट्रांज़िट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है तथा इसे **भारत में पहली बार** [एशिया-प्रशांत](#) **ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की आकांक्षा** है।

मुख्य बिंदु:

- राज्य सरकार ने घोषणा की कि **नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को स्विट्ज़रलैंड के ज़्यूरिख हवाई अड्डे के मॉडल के आधार पर विकसित** किया जा रहा है, जिसका लक्ष्य यात्रियों और उड़ान संचालन क्षमताओं को विश्व स्तरीय मानकों तक बढ़ाना है।
    - **पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर** ज़िले के जेवर क्षेत्र में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण किया जा रहा है।
    - यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा** होगा।
- **सरकार ने ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से** हवाई अड्डे पर लाइसेंस जारी करने, संचालन का प्रबंधन करने और कर्मचारियों तथा सलाहकारों की नियुक्ति की **प्रक्रियाओं में तेज़ी लाने का कार्य किया है।**
- यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (YIAPL) उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकारों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार **हवाई अड्डे को विकसित करने के लिये समर्पित** है।
    - YIAPL पूरी तरह से **ज़्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल AG** के स्वामित्व में है, जो स्विस फर्म है जिसने [सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजना](#) के लिये रियायतकर्त्ता अनुबंध प्राप्त किया है।
- वर्तमान में **हवाई अड्डे के विकास के पहले चरण के लिये निर्माण कार्य जारी है,** जो 1,300 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को कवर करता है। पूरे हवाई अड्डे को **चार चरणों में** 5,000 हेक्टेयर में विकसित करने की योजना है।

नोट: इलेक्ट्रॉनिक टेंडर या ई-टेंडर ऑनलाइन खरीद प्लेटफॉर्म का प्रयोग करके बोली निविदाएँ भेजने और प्राप्त करने की प्रक्रिया है

ई-टेंडरिंग खरीद प्रक्रिया में बहुत बड़ा अंतर लाती है क्योंकि यह **स्रोत-से-भुगतान (S2P) संचालन** में बेहतर दृश्यता, अनुपालन और निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करती है

ग्रीनफील्ड

- हवाई अड्डे आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में स्थित होते हैं और विमानन गतिविधियाँ **प्राकृतिक पर्यावरण को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती हैं,** जिससे पर्यावरण क्षरण में योगदान होता है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में
- इस मुद्दे से निपटने के लिये **भारत सरकार ने वर्ष 2008 में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट (GFA) नीति** पेश की
- इसका प्राथमिक उद्देश्य मौजूदा शहरी हवाई अड्डों से **हवाई यातायात को शहरी केंद्रों से परे बाह्य क्षेत्रों स्थापित करना** है, जिससे **प्रदूषण और पर्यावरणीय तनाव कम होता है**
- उत्तर प्रदेश में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट: **कुशीनगर (अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/noida-international-airport-1